मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 80, मुंबई, शनिवार, 23 अप्रैल, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

मालवणी में अब ड्रग्स तस्करों की खैर नहीं

एक के बाद एक पर चलेगा पुलिस का डंडा

मालवणी के कच्चा रास्ता रोड से ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

मुंबई हलचल / संवाददाता / मुंबई। मालवणी पुलिस ने करीब एक करोड़ रुपये की एमडी दवाओं के साथ एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया है। विक्टर ऑग्बोना के रूप में पहचाने जाने वाले व्यक्ति को पुलिस ने 750 ग्राम एमडी ड्रग्स के कब्जे में पाया। उसकी गिरफ्तारी के बाद उसे बोरीवली की एक स्थानीय अदालत ने पुलिस हिरासत में भेज दिया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मालवणी पुलिस ने आरोपी विक्टर के पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया है और इस मोबाइल फोन में कुछ संदिग्धों के नाम सामने आए हैं। मालवणी पुलिस ने बताया कि इन सभी से अब पुलिस पूछताछ करेगी। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी विक्टर ऑग्बोना मादक पदार्थों की तस्करी में किसके संपर्क में था, उसे ड्रग्स किसने दिया और मालवणी में वह किसके पास ड्रग्स देने आया था

नाइजीरियाई आरोपी विक्टर ऑग्बोना के पास से 1,12,50,000 करोड़ रुपये की एमडी ड्रग्स बरामद, 750 ग्राम एमडी के 5 पैकेट मिले

महाराष्ट्रः औरंगाबाद में ट्रेन में डकैती

चाकुओं की नोक पर देवगिरी एक्सप्रेस के यात्रियों को लूटा, महिलाओं के आभूषण छीन कर फरार हुए आरोपी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के पास दौलताबाद से पोटुल रेलवे स्टेशन के दरम्यान ट्रेन में डकैती और लूट की घटना सामने आई है। यह घटना औरंगाबाद से मुंबई की ओर आती हुई देवगिरी एक्सप्रेस ट्रेन में हुई है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

जोगेश्वरी में 24 लाख रुपये से अधिक की मेफेड्रोन जब्त

मुंबई। मुंबई के उपनगरीय इलाके जोगेश्वरी में 24.25 लाख रुपये मूल्य की नशीली दवा मेफेड्रोन जब्त कर इस सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान वर्सोवा के यारी रोड निवासी इरफान फारुक सोरठिया के रूप में की गयी है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

एक गिरफ्तार

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

मुफ्तखोरी का बोझ

मुफ्तखोरी की संस्कृति एक प्रतिकूल परंपरा है, जो न केवल राजनीति, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचाती है। 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अर्थशास्त्री एन के सिंह ने मुफ्त उपहार योजनाओं को लेकर कुछ वाजिब सवाल उठाए हैं। साथ ही, यह भी कहा है कि अभी मुफ्त योजनाओं के अर्थ में बहुत अस्पष्टता है। वाकई हमें यह देखना चाहिए कि कौन-सी वस्तु मुफ्त देने लायक है और कौन-सी वस्तु देने लायक नहीं है। मिसाल के लिए, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत और व्यापक करना, रोजगार गारंटी योजनाएं, शिक्षा के लिए सहायता और स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से महामारी के दौरान परिव्यय बढ़ाना सही है। पूरी दुनिया में ऐसे व्यय को न्यायपूर्ण माना जाता है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि दुनिया में गरीबों या अभावग्रस्त लोगों की संख्या कम से कम एक चौथाई है, उनकी आर्थिक-सामाजिक सुरक्षा के प्रबंध करना हर सरकार की जिम्मेदारी है। कोरोना के समय भारत में ही 80 करोड़ लोगों तक मुफ्त अनाज पहुंचाने की कोशिश हुई, उसकी निंदा भला कौन कर सकता है? कई बार लोगों को मुफ्त सेवाएं या वस्तुएं देना जरूरी हो जाता है। ऐसे में, एन के सिंह का इशारा बिल्कुल सही है कि जरूरी और गैर-जरूरी के बीच हमें फर्क करना चाहिए। सरकारों को यह सोचना ही चाहिए कि मुफ्त योजनाएं लंबे समय में अर्थव्यवस्था, जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक सामंजस्य के लिए कितनी महंगी पड़ेंगी। एन के सिंह ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वार्षिक दिवस के अवसर पर साफ कहा है कि मुफ्त योजनाओं की प्रतिस्पर्द्धी राजनीति से हमें डरना चाहिए। हमें आर्थिक विकास की उच्च दर हासिल करने की राह पर चलना चाहिए। आज दक्षता की दौड़ ही संपन्नता की दौड़ है। ऐसी योजनाएं अगर बढ़ती गईं, तो उन राज्यों का क्या होगा, जिनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही बहुत दबाव में है। सरकारों पर जो कर्ज है, उसे भी देखना चाहिए। वस्तुतः कर्ज लेकर मुफ्त योजनाओं के दम पर राजनीति करना एक बड़े वर्ग के साथ अन्याय भी है। अनुमान के अनुसार, पंजाब में मुफ्त योजनाओं या उपहारों के वादे को लागू करने में लगभग 17,000 करोड़ रुपये खर्च हो सकते हैं। इससे जीएसडीपी के तीन प्रतिशत के बराबर का अतिरिक्त भार पडेगा। पंजाब के सकल घरेलू उत्पाद में पचास प्रतिशत से ज्यादा तो ऋण है, मतलब मुफ्त योजनाओं से पंजाब पर भार बढ़ना तय है। उन्होंने एक और उपयोगी मिसाल दी है। राजस्थान की सरकार ने घोषणा की है कि वह पुरानी पेंशन योजना को लागू करेगी। यह निर्णय प्रतिगामी है, क्योंकि पुरानी पेंशन योजना से पीछा छुड़ाना इस तथ्य पर आधारित था कि वह योजना समानता पर आधारित नहीं थी। राजस्थान का पेंशन एवं वेतन व्यय उसके कर और गैर-कर राजस्व का करीब 56 प्रतिशत है, यानी उसकी छह प्रतिशत सिविल सेवक आबादी को राज्य के 56 प्रतिशत राजस्व का लाभ मिलता है। यह समानता और नैतिकता के सिद्धांत के भी विपरीत है। यह सही है कि सरकारों की व्यय प्राथमिकताओं की वजह से विकास व विकास की योजनाओं पर असर पड़ रहा है। मुफ्त सुविधाओं से कुशलता और प्रतिस्पर्द्धा, दोनों पर नकारात्मक असर पड़ता है। वह मुफ्तखोरी के अर्थशास्त्र को निरपवाद रूप से गलत बताते हुए सुधार की पैरोकारी करते हैं। मुफ्त उपहार की राजनीति व उसके अर्थशास्त्र, दोनों में गहरी खामियां हैं। यह दौड़ नीचे की ओर है, जिससे बचना चाहिए।

महंगाई रोकना सबकी जिम्मेदारी

इस साल जून में मुआवजे का प्रावधान खत्म हो रहा है। जीएसटी लागू होने के बाद पांच साल तक यह प्रावधान था कि अगर कर की वसूली कम होती है या 14 फीसदी सालाना की दर से नहीं बढ़ती है तो उसकी भरपाई केंद्र सरकार करेगी। अब जीएसटी के पांच साल पूरे हो रहे हैं और यह प्रावधान खत्म हो रहा है। इसलिए राज्य सरकारें राजस्व की कमी को लेकर चिंतित है और चाहती हैं कि राजस्व बढ़ाने के लिए कर का स्लैब बदला जाए। महंगाई के जो दो मुख्य फैक्टर हैं– ईंधन की कीमत और अप्रत्यक्ष कर उसमें राज्यों की हिस्सेदारी भी शामिल हैं। अगर राज्य ईमानदारी से चाहते हैं कि आम लोगों को राहत मिले तो उन्हें खुद भी टैक्स कटौती करनी होगी और केंद्र पर भी टैक्स कटौती का दबाव बनाना होगा। अगर विपक्षी पार्टियां चाहें तो जीएसटी की दर बढ़ाने का फैसला टल सकता है और ईंधन की कीमतें भी कम हो सकती हैं। इसलिए छिटपुट बयान देने या केंद्र पर निशाना साधने से कीमतें कम नहीं होंगी।

थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई दर मार्च के महीने में 14.55 रही और इसी अवधि में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई दर यानी खुदरा महंगाई दर 6.95 फीसदी रही। थोक महंगाई दर पिछले पूरे एक साल से दो अंकों में है और खुदरा महंगाई दर पिछले तीन महीने से रिजर्व बैंक की तय की गई अधिकतम सीमा से ऊपर है। किसी को यह आंकड़ा न भी पता हो तब भी उसको पता है कि महंगाई बहुत बढ़ गई है। जीवन की जरूरत की छोटी से छोटी चीज भी महंगी हो गई है। ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से माल ढुलाई महंगा हुआ है और इसका असर हर चीज पर दिख रहा है। खाने-पीने की चीजें बेतहाशा महंगी हुई हैं। विनिर्मित वस्तुओं की कीमत में बेहिसाब बढ़ोतरी हुई है। यात्रा करना बहुत खर्च का काम हो गया है तो कपड़े खरीदना भी लोगों की पहुंच से दूर हो रहा है। सिर्फ इस महीने में सीमेंट की कीमत में 70 रुपए बोरी की बढ़ोतरी हुई है और स्टील की कीमत पिछले एक साल में दोगुनी होकर 80 हजार रुपए टन तक पहुंच गई है।

महंगाई को लेकर चिंता की बात यह है कि यह इतने पर रूकने वाली नहीं है। पेट्रोल लगभग पूरे देश में सौ रुपए लीटर से ज्यादा कीमत पर बिक रहा है और डीजल की कीमत भी सौ रुपए लीटर हो गई है। सीएनजी की कीमत में पिछले एक महीने में 10 रुपए किलो से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है और दिल्ली में इसकी कीमत 72 रुपए किलो तक पहुंच गई है। रसोई गैस के घरेलू सिलेंडर की कीमत एक हजार और कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत दो हजार से ऊपर हो गई है। थोड़े दिन पहले तक इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। लेकिन यह बस नहीं है। कीमतें इतने पर भी रूकी रहेंगी इसकी गारंटी नहीं है। ऊपर से कंगाली में आटा गीला यह होना है कि जीएसटी कौंसिल वस्तु व सेवा कर की दरों में बदलाव करने जा रही है। एक कमेटी ने इसकी सिफारिश की है, जिसके मुताबिक पांच फीसदी का कर स्लैब समाप्त कर दिया जाएगा। इसकी कुछ वस्तुओं के लिए तीन फीसदी का एक स्लैब बनेगा और बाकी सारी वस्तुएं आठ फीसदी के स्लैब में डाल दी जाएंगी। केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता वाली जीएसटी कौंसिल की मई में होने वाली बैठक में इस फैसले पर मुहर लगने की संभावना है। अगर यह बदलाव होता है तो अब तक जिन वस्तुओं को नागरिकों के रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल होने वाली जरूरत की वस्तु माना जाता था और पांच फीसदी टैक्स लगता था, उनमें से ज्यादातर वस्तुओं पर आठ फीसदी टैक्स लगेगा। इस तरह इन वस्तुओं की कीमत में तीन फीसदी की बढ़ोतरी हो जाएगी। कर के ढांचे में बदलाव करने वाली कमेटी का अनुमान है कि इन वस्तुओं के टैक्स में तीन फीसदी का इजाफा करने से सरकारों को डेढ़ लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व मिलेगा।

सोचें, यह डेढ़ लाख करोड़ रुपया किन लोगों की जेब से निकलेगा? जीएसटी यानी अप्रत्यक्ष कर वह कर है, जिसे हर आम और खास नागरिक को चुकाना होता है। इसका मतलब है कि डेढ़ लाख करोड़ रुपया आम लोगों की जेब से निकलेगा। ध्यान रहे पहले से लोग अप्रत्यक्ष कर के रूप में जीएसटी से हर साल लगभग 14 लाख करोड़ रुपए चुका रहे हैं। ऊपर से यह डेढ़ लाख करोड़ रुपया और उनकी जेब से निकलेगा। प्रत्यक्ष कर के तौर पर करीब 13 लाख करोड़ रुपए मिलते हैं और पेट्रोल-डीजल, आबकारी आदि पर लगने वाले टैक्स से लाखों करोड़ रुपए अलग से मिलते हैं। अब सवाल है कि इस पर काबू करना, किसकी जिम्मेदारी है? क्या सिर्फ केंद्र सरकार इस महंगाई के लिए जिम्मेदार है और उसके कंट्रोल करने से कीमतें कम हो जाएंगी? इसमें कोई संदेह नहीं है कि बड़ी भूमिका केंद्र सरकार की है क्योंकि ईंधन पर लगने वाले टैक्स का बड़ा हिस्सा केंद्र के खाते में जाता है। लेकिन राज्यों की सरकारें भी इसके लिए कम जिम्मेदार नहीं हैं। मिसाल के तौर पर एक लीटर पेट्रोल पर भारत सरकार इस समय करीब 28 रुपए उत्पाद शुल्क लेती है। यह बिना टैक्स के एक लीटर पेट्रोल की कीमत के 50 फीसदी के बराबर है। इसी तरह राज्य सरकारें भी 30 से 50 फीसदी तक शुल्क एक लीटर पेट्रोल पर लेती हैं। अलग अलग राज्यों में इसकी दर अलग अलग है। महाराष्ट्र में एक लीटर पेट्रोल पर राज्य सरकार 30 रुपया टैक्स लेती है। आंध्र प्रदेश में 29 रुपए तो मध्य प्रदेश में करीब 27 रुपए लीटर टैक्स लिया जाता है। यानी केंद्र और राज्यों की सरकारें मिल कर पेट्रोल की कीमत के बराबर या उससे ज्यादा टैक्स लेती हैं। सो, अगर इसमें प्रभावी रूप से कमी करनी है ताकि आम लोगों को इसका स्पष्ट फायदा मिले तो केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को अपने अपने टैक्स में बड़ी कमी करनी होगी। सिर्फ एक-दूसरे पर आरोप लगाने से आम जनता को राहत नहीं मिलने वाली है।

इसी तरह जीएसटी में भी अकेले केंद्र सरकार का हिस्सा नहीं है। 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के मुताबिक कुल जीएसटी में राज्यों को 41 फीसदी हिस्सा दिया जाना है। यानी सौ रुपए जीएसटी के मद में वसूले जा रहे हैं तो उसका 41 रुपया राज्यों के खाते में जाता है। अब अगर जीएसटी कौंसिल कर के ढांचे में बदलाव करना चाहती है और पांच फीसदी के स्लैब वाली ज्यादातर वस्तुओं को आठ फीसदी के स्लैब में डालना चाहती है तो उसमें सभी राज्यों की भी सहमति होगी। असल में राज्य सरकारें जीएसटी राजस्व को लेकर परेशान हैं। इस साल जून में मुआवजे का प्रावधान खत्म हो रहा है। जीएसटी लागू होने के बाद पांच साल तक यह प्रावधान था कि अगर कर की वसूली कम होती है या 14 फीसदी सालाना की दर से नहीं बढ़ती है तो उसकी भरपाई केंद्र सरकार करेगी। अब जीएसटी के पांच साल पूरे हो रहे हैं और यह प्रावधान खत्म हो रहा है। इसलिए राज्य सरकारें राजस्व की कमी को लेकर चिंतित है और चाहती हैं कि राजस्व बढ़ाने के लिए कर का स्लैब बदला जाए। महंगाई के जो दो मुख्य फैक्टर हैं- ईंधन की कीमत और अप्रत्यक्ष कर उसमें राज्यों की हिस्सेदारी भी शामिल हैं। अगर राज्य ईमानदारी से चाहते हैं कि आम लोगों को राहत मिले तो उन्हें खुद भी टैक्स कटौती करनी होगी और केंद्र पर भी टैक्स कटौती का दबाव बनाना होगा। अगर विपक्षी पार्टियां चाहें तो जीएसटी की दर बढ़ाने का फैसला टल सकता है और ईंधन की कीमतें भी कम हो सकती हैं। इसलिए छिटपुट बयान देने या केंद्र पर निशाना साधने से कीमतें कम नहीं होंगी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हिंदू, मुस्लिम, दलित, सीख ईसाई की एकता और अखंडता का मिसाल बना मुंब्रा शहर

सभी धार्मिक दल एवं राजनीतिक दल द्वारा मिलजुल कर किया गया रोजा इफ्तारः एआईएमआईएम के कलवा मुंब्रा अध्यक्ष सैफ पठान

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। जिस तरह से देशभर में कुछ राजनीतिक दल द्वारा धार्मिक द्वेष हिंदू मुस्लिम में पैदा करने की कोशिश की जा रही है हर हथकंडे अपनी लंगडी लोली राजनीति चमकाने के लिए किया जा रहा है उनको विफल बनाने के लिए आज मुंब्रा शहर में सभी राजनीतिक दल एवं धार्मिक दल हिंदू मुस्लिम दलित सीख ईसाई द्वारा मिलजुल रोजा इफ्तार किया गया देखा जाए तो करारा जवाब दिया जा रहा है उन राजनीतिक दलों को जो अपनी लंगडी लूली राजनीति चमकाने के लिए देश को बांटने की कोशिश कर रहा है किसी तरह से हमारी राजनीति धार्मिक द्वेष फैलाकर चमकाए जा सके आपको बताते चलें 21 अप्रैल गुरुवार श्याम को एआईएमआईएम के कलवा मुंब्रा के अध्यक्ष सैफ पठान द्वारा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया जिसमें सभी धार्मिक दल के हिंदू मुस्लिम दलित सीख ईसाई और राजनीतिक दल की आप पार्टी, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, समाजवादी पार्टी आरपीआई, एनसीपी, और अन्य कई राजनीतिक दल के लोगों की उपस्थिति दिखाई दी या तमाम लोगों की उपस्थिति इस बात की ओर इशारा करती है कि हम सब एक हैं मुंब्रा शहर की एकता और अखंडता को कुछ छूट भैया नेता धार्मिक द्वेष फैलाकर एकता को भाईचारे को तोड़ नहीं सकते इस मौके पर एआईएमआईएम के मुंबई अध्यक्ष जनाब फैयाज साहब ने देशभर में हिंदू मुस्लिम के नाम पर जो दंगे फसाद कुछ दिनों पहले राजनीतिक एवं सांप्रदायिक संगठनों द्वारा किया गया है उस पर बयान देते हुए कहा आज हमारे डॉ बाबासाहेब आंबेडकर का संविधान खतरे में है हम लोगों को संविधान को बचाना है जिसने संविधान को रचा है उसका संविधान हम हर कीमत पर बचाकर रहेंगे अगर हमारा संविधान सुरक्षित है तो देश में हिंदू मुस्लिम सीख ईसाई दलित सभी सुरक्षित रहेंगे अगर संविधान सुरक्षित नहीं है तो कोई भी सुरक्षित नहीं है उसके बाद एआईएमआईएम के कलवा मुंब्रा अध्यक्ष सैफ पठान ने कहा हमारा देश गंगा जमुना की तहजीब का देश है मोहब्बत का देश है कोई भी नेता अपने धार्मिक द्वेष फैला कर देश की अखंडता और एकता को तोड़ने की कोशिश कर रहा है वह आज हमारा मुंब्रा शहर देख ले हम सब मिलजुल कर एक साथ रहते हैं सभी धार्मिक लोग हिंदू मुस्लिम सीख ईसाई दलित आज हम लोग मिलकर रोजा इफ्तार कर रहे है सभी राजनीतिक दल द्वारा धार्मिक द्वेष फैला कर राजनीति की रोटी सेकने वालों की कड़ी निंदा की और कहां कोई भी छूट भैया नेता मंच पर अपशब्द बोल देगा धर्म की राजनीति करेगा और देश का माहौल खराब करेगा वह छूट भैया नेता देख ले मुंब्रा शहर में हर धर्म के लोग हिंदू मुस्लिम दलित सीख ईसाई सभी धर्म के लोग मिलजुलकर एक साथ रोजा इफ्तार कर रहे हैं यह हमारी एकता और अखंडता है जिससे कुछ राजनीतिक दल अपनी लंगडी लोली राजनीति चमकाने के लिए तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं वह अपने मकसद में कभी कामयाब नहीं हो पाएंगे दलित समाज के बाबू मखरे द्वारा बताया गया वर्ष 2005 में जब बाढ़ आई थी तभी मुंब्रा शहर के मुस्लिम भाइयों ने ही दिवा के हिंदू भाई के घरों में अनाज पहुंचाया था आप पार्टी के अल्तमश फैजी भी राज ठाकरे पर बरसते हुए नजर आए उन्होंने कहा मनसे पार्टी का तो महाराष्ट्र में सूपड़ा साफ है और महाराष्ट्र में कोई वजूद नहीं है बस वह आने वाले मनपा चुनाव में अपना वर्चस्व बनाने में लगे हैं इसलिए वह धर्म की राजनीति कर रहे हैं जिस तरह से बीजेपी करती चली आ रही है यह उन्हीं के साथ में चल रहे हैं ताकि इनकी भी लंगड़ी लूली राजनीति चमक जाए सभी राजनीतिक दल द्वारा कहा गया इससे बड़ी मिसाल मुंब्रा शहर की हो ही नहीं सकती सभी धर्मों के लोगों ने सभी राजनीतिक पार्टियों ने एक साथ रोजा इफ्तार किया यह रोजा इफ्तार के कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने मिलजुल कर रोजा इफ्तार किया और इसमें एआईएमआईएम के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

नवाब मलिक की न्यायिक हिरासत 6 मई तक बढ़ी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक दौड़ लगाने वाले नवाब मलिक को जेल से रिहाई का रास्ता नहीं मिल पा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी इस याचिका को नामंजूर कर दिया है। वहीं विशेष पीएमएलए कोर्ट ने नवाब मलिक की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। आपको बता दें कि दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किए गए नवाब मलिक फिलहाल मुंबईकी आर्थर रोड जेल में कैद हैं। नवाब मलिक अपनी गिरफ्तारी

को अवैध बताते हुए सबसे पहले यह मामला बॉम्बे हाई कोर्ट में उठाया था। जब हाई कोर्ट से नवाब मलिक को कोई राहत नहीं मिली तब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट गुहार लगाई थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी तत्काल रिहाई वाली याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए कहा है कि वे इस चरण में दखल नहीं देंगे। हालांकि वह जमानत के लिए अर्जी जरूर दाखिल कर सकते हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जांच के इस चरण में हम मामले में दखल देने के इच्छुक नहीं है।

पांच हजार पन्नों वाली चार्जशीट फाइलः वहीं प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को नवाब मलिक के खिलाफ अदालत में 5000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। एनसीपी के वरिष्ठ नेता और मंत्री मलिक को ईडी ने 23 फरवरी को गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने नवाब मलिक पर टेरर फंडिंग और 1993 बम धमाकों के आरोपी अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के गुर्गों से संबंध रखने का आरोप है। ईडी ने दावा किया था कि इन संपत्तियों को हड़पने के लिए दाऊद इब्राहिम के गिरोह के सदस्यों और नवाब मलिक ने सांठगांठ की और आपराधिक कृत्य को वास्तविक दिखाने के लिए कई कानूनी दस्तावेजों में हेरफेर भी की।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मालवणी में अब ड्रग्स तस्करों की खैर नहीं

मालवणी पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ विदेशी नागरिक मालवणी के कच्चा रास्ता रोड पर एमडी ड्रग्स की डिलीवरी के लिए आ रहे हैं। इस जानकारी की पुष्टि के लिए टीम सादे कपड़ों में वहां तैनात थी। विक्टर बुधवार देर रात पहुंचे। वह किसी का इंतजार कर रहा था। उसकी हरकतों पर शक होने पर उसे पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 750 ग्राम एमडी ड्रग्स मिला है। इन दवाओं की कीमत 1,12,50,000 रुपये है। विक्टर एक नाइजीरियाई नागरिक है जो छह साल पहले भारत आया था। भारत आने के बाद वह मुंबई आ गया और मादक पदार्थों की तस्करी शुरू कर दी। उसे पहले इसी मामले में तुलिंज पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वह हाल ही में दो महीने जेल में बिताने के बाद जमानत पर रिहा हुआ था। उसने कोर्ट और जमानत पर काफी पैसा खर्च किया था। उसने पैसे वसूल करने के लिए फिर से ड्रग्स बेचना शुरू कर दिया। इसके लिए वह एमडी दवा की डिलीवरी के लिए मालवणी इलाके में आया था। हालाँकि, ड्रग्स बेचने से पहले उसे मालवानी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। उसके खिलाफ एनडीपीएस की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है और गुरुवार को बोरीवली की एक स्थानीय अदालत ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया है और इस मोबाइल फोन में कुछ संदिग्धों के नाम सामने आए हैं। इन सभी से अब पुलिस पूछताछ करेगी। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि विक्टर मादक पदार्थों की तस्करी में किसके संपर्क में था, उसे ड्रग्स किसने दिया और मालवानी में वह किसके पास ड्रग्स देने आया था।

जोगेश्वरी में 24 लाख रुपये से अधिक की मेफेड्रोन जब्त

उन्होंने बताया कि अपराध शाखा के मादक द्रव्य निरोधक प्रकोष्ठ की कांदिवली इकाई ने बृहस्पतिवार की शाम जोगेश्वरी बस डिपो के पास से सोरठिया को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 163 ग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किया। उन्होंने बताया कि आगे की जांच की जा रही है।

महाराष्ट्रः औरंगाबाद में ट्रेन में डकैती

लुटेरों ने पहले सिग्नल को कपड़ों से ढंक दिया, ट्रेन में पत्थरों से हमले किए और ट्रेन रुकवाई। फिर ट्रेन में घुसे। चेन खींचा, चाकुओं की नोक पर यात्रियों को लूटा, महिलाओं के गहने छीन लिए और फरार हो गए। आठ से दस लुटेरों ने करीब आधा घंटे तक इस लूटमार को अंजाम दिया। इस अचानक हुई लूट की वारदात से ट्रेन में सफर कर रहे लोगों में दहशत फैल गई। पिछले कुछ दिनों में ये लगातार दूसरी घटना है। बीस दिनों पहले इसी जगह पर इसी तरह से ट्रेन रोक कर मुसाफिरों से मारपीट की गई थी और उन्हें लूट लिया गया था। फिलहाल इस पूरे मामले की पुलिस जांच शुरू है। देर रात आज (22 अप्रैल, शुक्रवार) हुई इस घटना से खलबली मच गई है।

महाराष्ट्र में लोडशेडिंग शुरू! गहराया बिजली संकट, अडानी पावर ने बंद की सप्लाई

मुंबई। राज्य में लोडशेडिंग को अब तक स्वीकार नहीं करने वाली महाराष्ट्र की महाविकास आघाडी ने गुरुवार को स्वीकार किया कि राज्य के कुछ हिस्सों में लोडशेडिंग शुरू है, क्योंकि राज्य 1400 से 1500 मेगावाट बिजली की कमी से जूझ रहा है। लोडशेडिंग उन इलाकों में ज्यादा किया जा रहा है, जहां से बिजली के बिलों का बकाया राशि ज्यादा है। राज्य के ऊर्जा मंत्री डॉ. नितिन राउत का कहना है कि लोडशेडिंग कब तक चलेगी, इस बारे में कुछ भी कहा नहीं जा सकता। ऊर्जा मंत्री राउत ने आम लोगों से सावधानी से बिजली का उपयोग करते हुए सहयोग की अपील की है। राज्य में बिजली संकट को लेकर गुरुवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. राउत ने कहा कि पूरे देश में बिजली का संकट गहराता जा रहा है। इसका असर महाराष्ट्र पर भी हो रहा है। कोयले की कमी और खुले बाजार में बिजली उपलब्ध नहीं होने की वजह से लोडशेडिंग शुरू करना पड़ रहा है। ऊर्जा मंत्री राउत से जब पूछा गया कि कौन से इलाकों में लोडशेडिंग की जा रही है? उस पर उन्होंने कहा कि जहां बिजली बिल की रिकवरी नहीं हो रही है और जहां बिजली चोरी के मामले अधिक हैं, ऐसे इलाकों में लोडशेडिंग की जा रही है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में बारिश होने की भविष्यवाणी की है। बारिश होने पर ही लोडशेडिंग कम हो सकेगी।

प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन के स्थापना दिवस 1 जून को हर्षोल्लास के साथ मनाएं : गिरीश कुशवाहा

पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं पंडित गणेश शंकर विद्यार्थी अवार्ड से एक दर्जन पत्रकारों को आगरा में किया पेजा ने सम्मानित

आगरा। प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन के आगरा मंडल की एक आपातकालीन बैठक एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रेस प्रवक्ता बीएस शर्मा की अध्यक्षता में सीताराम होटल ताजगंज आगरा में संपन्न हुई बैठक में उपस्थित एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश चंद कुशवाहा ने एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रेस प्रवक्ता बीएस शर्मा, प्रांतीय सचिव एवं संयोजक आगरा मंडल नरेंद्र प्रताप सिंह, हाजी रियाजुद्दीन प्रांतीय सदस्य एवं सह संयोजक आगरा मंडल, जिला अध्यक्ष आगरा विकास कुलश्रेष्ठ, फिरोजाबाद के जिला अध्यक्ष गुप्ता, मथुरा के जिला अध्यक्ष संतोष शर्मा, एसोसिएशन के जिला महासचिव राजेश अग्रवाल वरिष्ठ पत्रकार निगम आगरा आदि को पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं गणेश शंकर विद्यार्थी अवार्ड से सम्मानित किया गया। एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रेस प्रवक्ता बीएस शर्मा ने उपस्थित सभी पत्रकारों को 1 जून को 23 वा स्थापना दिवस को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक पत्रकारों को लखनऊ पहुंचने की अपील की। मुख्य अतिथि श्री कुशवाहा ने आगरा मंडल के निष्क्रिय पदाधिकारियों को आखरी वार्निंग देकर कहा है यह अंतिम वार्निंग है इसके बाद में लापरवाह एवं एसोसिएशन के निष्क्रिय पदाधिकारियों की छुट्टी तय कर दी जाएगी उनकी जगह पर सकरी पदाधिकारियों को सम्मानजनक स्थान पर समायोजित किया जाएगा एसोसिएशन के प्रदेश सचिव को बांध दी गई है कि वह या तो सक्रियता से काम करें या तो अपने पद से इस्तीफा दे दें।

राष्ट्रीय लोजपा संगठन विस्तार को लेकर बैठक किया: डॉ स्मिता शर्मा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बिहार, जहानाबाद। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के जहानाबाद जिला पार्टी कार्यालय में संगठन विस्तार को लेकर बैठक किया गया। बैठक में मुख्य रूप से युवा रालोजपा के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र यादव एवं महिला सेल की प्रदेश अध्यक्ष डॉ स्मिता शर्मा मौजूद रही। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश संगठन सचिव महिला प्रकोष्ठ लक्ष्मी सिन्हा ने बताया कि युवा प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र यादव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 16 अगस्त को जो मोकामा शिरोमणि जयंती मनाई गई उसमें राष्ट्रीय लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस जी पर जो जानलेवा घटना घटी जमुई सांसद चिराग पासवान के इशारा पर कुछ असामाजिक तत्व के लोगों ने क्या

इस घटना में पासवान जाति के नहीं थे हम सभी पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता इस घटना को घोर निंदा करते हैं। उपेंद्र यादव ने आगे कहा कि पार्टी का जनाधार पूरे बिहार में बढ़ रहा है। इसे देखकर लोजपा (रामविलास) के नेता तिलमिला गए हैं। बिहार की जनता सच के साथ हमेशा से खड़ी रही है। इसका उदाहरण है, तारापुर, कुलेश्वर स्थान विधानसभा उपचुनाव एवं विधान परिषद की चुनाव में भारी मतों से जीत हासिल होना। रालोजपा महिला सेल की प्रदेश अध्यक्ष डॉ स्मिता शर्मा ने कहा कि महिलाओं के उत्थान एवं शक्तिकरण के पूरे बिहार में दौरा कर पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस जी पर आस्था व्यक्त करते हुए पूरे बिहार में महिलाएं पार्टी की सदस्यता ले रही हैं। लक्ष्मी सिन्हा ने बताया कि जहानाबाद जिला के अध्यक्ष अशोक पासवान, युवा महासचिव सुजीत यादव, महिला सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष कल्पना शर्मा, युवा नेता रोशन, मनोहर कुमार, गोपाल पासवान आदि उपस्थित रहे।

जितना हो सके गरीबों की करें इमदाद

मुंबई हलचल/अरमान उल हक संभल। मुकद्दस रमजान के तीसरे जुमे को चिलचिलाती गर्मी, धूप के बावजूद रोजेदारो मे काफी उत्साह दिखाई दिया। उपनगरी सरायतरीन दरबार स्थित जामा मस्जिद मे रोजेदारों ने मुल्क और कौम की तरक्की के लिए दुआ की। शाही इमाम मुफ्ती मु०रियाजुल हक ने रमजान के तीसरे अशरे की फजीलत बयान करते हुए कहा कि मुकद्दस रमजान के मुबारक महीने में तीसरा अशरा बहुत अहम होता है। इसमें इबादत और एतेकाफ में बैठने से जहां लोगों के गुनाह माफ होते हैं, वहीं अल्लाह ताला इबादत करने वालों को जन्नत बख्शीश करते हैं इस अशरे में लाखों करोड़ों लोगों को जहन्नुम से निकालकर अल्लाह जन्नत में दाखिल फरमाते हैं और इसी अशरे में एतकाफ भी किया जाता है। जो गुनाहों के माफ होने का एक बड़ा जरिया है और इसी अशरे में 21, 23, 25, 27 व 29 इन्ही पाँच ताख रातो मे से कोई एक रात शबेकद्र की कहलाती है। जिसमें इबादत करने से हजारों साल इबादत करने का शबाब मिलता है और इसी आखिरी अशरे में जकात और फितरा का एहतमाम किया जाता है। तमाम मुसलमान अपने माल से जकात और फितरा निकालकर गरीबों को देते हैं, जिससे अल्लाह रब्बुल इज्जत राजी होते हैं और उनके गुनाहों को माफ करते हैं। अल्लाह ताला हमें इस अशरे की कद्रदानी नसीब फरमाए। खुदा की इबादत करते हुए गरीबों का भी खास ख्याल रखना चाहिए जितना हो सके गरीबों को इमदाद दें। रोजेदारों ने नमाज अदा करने के बाद मुल्क और कौम की तरक्की खुशहाली व सलामती की दुआ की।

राजू बने भाजपा 198 के वार्ड अध्यक्ष

मुंबई। मुंबई डिलाईल रोड परिसर के तेज तर्रार सामाजिक कार्यकर्ता, रोहिदास समाज स्थानीय पंचायत के पूर्व अध्यक्ष, विभाग के प्रतिनिधि, नागरिक सतर्कता समिति, मुंबई महासचिव, विभिन्न सामाजिक संगठनों, में काम करने वाले, शांत और बहुत संयमित और मृदभाषी स्वभाव, सभी की मदद के लिए सदैव तत्पर राजू रामचंद्र सावर्डेकर को भारतीय जनता पार्टी, वर्ली विधानसभा, वार्ड 198 का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मुंबई नगर निगम चुनाव के कारण इस नियुक्ति को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, राजू सावर्डेकर की नियुक्ति ने पार्टी में एक नई चेतना पैदा की। उन्हें जीवन के सभी क्षेत्रों से बधाई दी जा रही है। उन्हें अग्रिम राजनीतिक जीवन के लिए शुभकामनाएँ।

कानपुर में ट्रांसफार्मर धमाके में झुलसा राजमिस्त्री, हालत गम्भीर

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। शुक्रवार दोपहर यहां ट्रांसफार्मर तेज धमाके के साथ फट ने के दौरान उसकी चपेट में आकर वहां से गुजर रहा राजमिस्त्री बुरी तरह झुलस गया। जिसे उपचार के लिए पास के निजी हॉस्पिटल भेजा गया। जहां उसकी हालत समाचार लिखे जाने तक गम्भीर बताई गई है। मिली जानकारी के मुताबिक सचेंडी थाना क्षेत्र में बंगाली कॉलोनी संजय नगर निवासी पेशे से राजमिस्त्री उत्तम बहादुर आज शुक्रवार दोपहर वह घर का राशन लेने के लिए भौंती प्रतापपुर गए थे, जहां से वह घर लौट रहे थे। वह जैसे ही बंगाली कॉलोनी रोड पर पहुंचे तभी सड़क किनारे बिजली के पोल पर रखा ट्रांसफार्मर तेज धमाके के साथ फट गया। जिससे वह ट्रांसफार्मर से छिटके खौलते तेल की चपेट में आ जाने से बुरी तरह झुलस गये। इस बीच मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें तत्काल ही पास के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत बिगड़े से बाद एलएलआर हॉस्पिटल (हैलट) के लिए रेफर कर दिया गया है। डाक्टरों के मुताबिक उसकी हालत अभी भी खतरे के बाहर नहीं हैं।

रामपुर में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में तैनात डॉ दशरथ सिंग द्वारा प्राइवेट अस्पतालों अल्ट्रासाउंड सेंटरो के पंजीकरण हेतु आवेदन संबंध में रामपुर जिला अधिकारी को लिखा पत्र

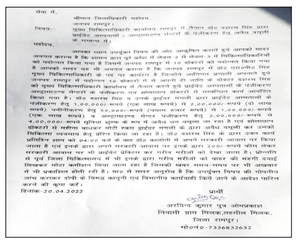

मुंबई हलचल/सुबहान अली

रामपुर। आपका ध्यान उपर्युक्त विषय की ओर आकृषित कराते हुये आपको सादर अवगत कराना है कि शासन द्वारा पूरे प्रदेश में लेवल -2 से लेवल -3 में चिकित्साधिकारियों को पदोन्नत किया गया है जिसमें जनपद रामपुर में 10 डॉक्टरों को पदोन्नत किया गया है आपको सादर यह भी अवगत कराना है कि जनपद रामपुर में डॉ० एस० पी० सिंह मुख्य चिकित्साधिकारी के पद पर कार्यरत है जिन्होंने जातिगत प्रणाली अपनाते हुये जनपद रामपुर में पदोन्नत 10 डॉक्टरों में से अपनी ही जाति के डॉक्टर दशरथ सिंह को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में तैनात करते हुये प्राईवेट अस्पतालों के पंजीकरण अल्ट्रासाउण्ड सेन्टरों के पंजीकरण एवं झोलाछाप डॉक्टरों से सम्बन्धित कार्य आवंटित किया गया है। डॉ० दशरथ सिंह व उनके ड्राईवर मंगली द्वारा प्राईवेट अस्पतालों के पंजीकरण हेतु 1,00,000 / - रुपए (एक लाख रुपए) से 2,00,000 / - रुपए (दो लाख रुपए) नवीनीकरण हेतु 50,000 / - रुपए (पचास हजार रुपए) से 1,00,000/ - रुपए (एक लाख रुपए) व अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर पंजीकरण हेतु 3,00,000/ - रुपए से 4,00,000/ रुपए सुविधा शुल्क के रूप में अवैध धन वसूला जा रहा है एवं झोलाछाप डॉक्टरों से महीना बांधकर मोटी रकम ड्राईवर मंगली के द्वारा अवैध वसूली कर उनको चिकित्सा व्यवसाय हेतु प्रेरित किया जा रहा है। डॉ. दशरथ सिंह के द्वारा उक्त कार्य प्रतिदिन शाम को 04:00 बजे के बाद डॉ. कालोनी में अपने सरकारी आवास पर किया जाता है एवं इनके द्वारा अपने सरकारी आवास पर इनके द्वारा 200/ रुपए फीस लेकर सरकारी आवास पर भी प्राईवेट प्रेक्टिस कर गरीब मरीजों को देखा जाता है । प्रोन्नति से पूर्व जिला चिकित्सालय में भी इनके द्वारा गरीब मरीजों को बाहर की महंगी दवाई लिखकर मोटा कमीशन लिया जाता रहा है जिसकी खबर समय - समय पर भी अखबार में भी प्रकाशित होती रही है। मा० से सादर अनुरोध है कि उपर्युक्त विषय की गोपनीय जांच कराकर दोषी के विरूद्ध कानूनी एवं विभागीय कार्यवाही किये जाने के आदेश पारित करने की कृपा करें।

ईमान के इत्र में मगफिरत की महक है रोजा: स्वालेहीन अशरफी

मुंबई हलचल/अरमान उल हक संभल। माहे रमजान खुशबुओं का खजाना है इबादत परहेजगारी का आस्तना है रमजान का महीना बरकतों और रहमतों का महीना है माहे रमजान में तीस दिनों तक रोजे रखे जाते हैं रमजान का महीना जाने अनजाने में किए गए गुनाहों से तौबा करने और बख़्शीश का महीना है प्रेस वार्ता के दौरान अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय समाचार पत्र दैनिक कलम हिन्दुस्तानी के पत्रकार स्वालेहीन अशरफी ने राष्ट्रीय समाचार पत्र हिन्दी दैनिक मुंबई हलचल को दिए अपने बयान में बताया अब रमजान का दूसरा अशरा चल रहा है दूसरा अशरा ग्यारहवें रोजे से बिसवें रोजे तक चलता है दूसरा अशरा मगफिरत का होता है इस अशरे में लोग इबादत कर अपने गुनाहों से माफी पा सकते हैं अन्य दिनों के मुकाबले अल्लाह अपने बंदों की इबादत से खुश होकर जल्दी माफ कर देता है स्वाले हीन अशरफी ने बताया आखिरत की फिक्र असल में मगफिरत की फि क्र है माहे रमजान खुशबुओं का खजाना है रोजा ईमान की कसावट है रमजान खुशबुओं का खजाना है इबादत परहेजगारी का आस्ताना है।

रमजान के आखिरी दस दिन नर्क से मुक्ति, शब-ए-कद्र और ऐतकाफ के लिए है खास: मौलाना रियाज खान कादरी

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। रमजान के माह में आखरी दस दिन जहन्नुम की आग से मुक्ति के लिए खास होता है। इन दस दिनों में लैलत उल-कद्र की रात भी मौजूद है। रमजान का महीना अन्य महीनों की तुलना में एक विशेष और स्थान रखता है, वहीं रमजान के आखिरी अशरे की इबादत यानि अंतिम दस दिनों के गुण और भी अधिक हैं। पवित्र पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) रमजान के अंतिम दस दिनों में इबादत और आज्ञाकारिता, रात्रि जागरण और स्मरण में अधिक समय बिताते थे। इन्हीं दस दिनों में लैलत उल-कद्र की रात भी मौजूद है। रमजान के आखिरी दस दिनों की सबसे बड़ी खूबी और विशेषता यह है कि इसमें एक रात होती है जो हजार महीनों से बेहतर होती है और उस रात को कुरान जैसा अनमोल तोहफा दुनिया को दिया गया है। अल्लाह ने इस रात में कुरान की एक सुरह प्रकट किया, जिसे हम सूरह अल-कद्र के नाम से जानते हैं। हजरत आयशा का कहना है कि जब अंतिम दस दिन शुरू होते थे, तो पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) पूरी रात जागते थे और खुद को और अपने परिवार को जगाते थे। हजरत अबू हुरैरा (अल्लाह उस

पर प्रसन्न हो सकता है) बताते हैं कि पवित्र पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) हर रमजान में दस दिनों के लिए ऐतकाफ करते थे, लेकिन जिस साल उन्होंने पर्दा हटाया, उसने बीस दिन तक एतिकाफ किया। (सहीह बुखारी शरीफ द्वारा सुनाई गई)। रमजान के आखिरी दस दिनों की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक एतिकाफ है एतिकाफ में जाने से पहले दो हज और दो उमराह का इनाम दिया जाता है। बुलबुले दश्रंगा नातखाने रसूल रियाज खान कादरी ने कहा। रमजान के आखिरी दस दिनों की अजीब रातों में से एक है शब-ए-कद्र रात। ज़िंदगी में एक बार अगर वह इस रात को ऐसी स्थिति में पा लेता है कि वह अपने रब की इबादत में लगा रहता है, तो उसके गुनाह सारा जीवन मिट जाएगा, इस रात के असंख्य गुण हैं। जो शब-ए-कद्र की इबादत और ईमान के इरादे से करता है, उसके पिछले सारे गुनाह माफ हो जाते हैं। लैलत अल-कद्र की एक विशेषता यह है कि इस रात पापियों को क्षमा कर दिया जाता है, इसलिए इस महान रात के आशीर्वाद से वंचित न होने का प्रयास करें। पवित्र पैगंबर (देखा) के शब्द हैं:

जो शब-ए-कद्र को समझ लेता है और उसके गुनाह माफ नहीं होते, खुदा उसे अपनी रहमत से दूर कर देता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नाबालिग लड़की के साथ दुर्व्यवहार, एक को उम्रकैद की सजा, दूसरे को 5 साल की सश्रम कारावास

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। सैलानी के रहने वाले और मूल रूप से परभणी जिले के देवला पुनर्बसन (ताल सेलू) दोपहिया वाहन पर नाबालिग लड़की को अगवा कर और उसे प्रताड़ित करने के आरोप बुलडाणा न्यायालय ने 21 अप्रैल को एक व्यक्ति को आजीवन कारावास और पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। परभणी जिले के सेलू तालुका के देवला पुनर्वास की एक महिला बुलदाना सैलानी में रह रही थी। इसी बीच देवला पुनर्वास के आरोपी अशोक सदाशिव पवार व उसका दोस्त बालाजी ऊर्फ बाळू महादेव पुरी इन दोनों ने 20 जुलाई 2016 को उसकी नाबालिग बेटी को सैलानी से दोपहिया वाहन से अगवा कर लिया था। जालना, मनमाड, पुणे कात्रज में इस नाबालिग लड़की के मामले में आरोपी अशोक पवार ने समय-समय पर नाबालिग लड़की के साथ यौन संबंध स्थापित कर उसे

प्रताड़ित किया। पीड़िता की मां ने सेलू थाने में दी गई शिकायत रायपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। रायपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इस मामले में पीड़ित लड़की, उसकी मां, चिकित्सा अधिकारी और जांच अधिकारी के गवाह महत्वपूर्ण थे। वहीं, 12 गवाह भी दर्ज किए गए। वादी और प्रतिवादियों की दलीलें सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश आर. एन. मेहरे ने पीड़िता को प्रताड़ित करने के आरोपी अशोक पवार को आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई और पीड़िता के अपहरण के आरोप में एक अन्य आरोपी बालाजी पुरी को 5 साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई। वादी पक्षातर्फे विशेष सरकारी वकील ॲड. सोनाली सावजी देशपांडे तर्क दिया और सत्ता पक्ष का पुरजोर समर्थन किया। पोलीस हेड कॉन्स्टेबल बाबुसिंग बारवाल ने अदालत के वकील के रूप में काम किया।मामले की जांच रायपुर की तत्कालीन सहायक पुलिस जे. एन. सय्यद ने किया है।

पूरे देश के मुसलमानों को इन्हें सेल्यूट करना चाहिये

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

दिल्ली। पूरे देश और दुनियाँ की निगाहें जब दिल्ली जहाँगीरपुरी में हुकूमत की तानाशाही का तमाशा देखने में लगी थीं तब जमीअत उलेमा ए हिन्द सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर खड़ी इन गरीब मजलूमों की दूकानें बुलडोजर से बचाने की जद्दोजहद कर रही थी।अल्लाह ने कामयाबी दी और सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत जहाँगीरपुरी की कार्यवाही रोकने का स्टे आर्डर जमीयत के हाथ में दिया और फिर एक बार जमीयत के जिम्मेदारान जुल्म के खिलाफ लड़ते नजर आये। 1919 में जब अब्दुल बारी फिरंगी महली, अहमद सईद देहलवी, इब्राहीम सियालकोटी, किफायत उल्लाह देहलवी और सना उल्लाह अमृतसरी और दीगर जिम्मेदारान ने जमीयत-ए-

उलमा-ए-हिन्द तंजीम की स्थापना की थी तब शायद उनकी यही दूरदर्शी सोच रही होगी कि जब हिंदुस्तानी मुसलमानों के साथ कोई नहीं खड़ा होगा तब उनपर होरहे जुल्म के खिलाफ उनकी हर लड़ाई जमीयत लड़ेगी। अल्हम्दुलिल्लाह आज रेशमी रूमाल की तहरीक से जंग-ए-आजादी का बिगुल बजाने वाले मुजाहिद मौलाना महमूदुल हसन के विरसे के तौर पर मौलाना अरशद मदनी साहब और मौलाना महमूद मदनी साहब इस जिम्मेदारी को बखूबी निभा रहे हैं। जब भी हिंदुस्तान के मुसलमानों पर कोई आफत आयी जमीयत हर मोड़ पर खड़ी नजर आई, चाहे पूरे देश में आतंकवाद के फर्जी केस में मुस्लिम नौजवानों के मुकदमे की लड़ाई हो, या बाबरी मस्जिद का मुकदमा, चाहे असम में मुसलमानों पर हो रहे जुल्म की लड़ाई हो या एनआरसी के तहत उन्हें बेदखल करने का मुकदमा, चाहे मुजफ्फर नगर के दंगा पीड़ितों के रिहायशी मकानात मुहैय्या कराने के इंतजामात हों या असम के मुसलमानों के रिहाइश के इंतजामात हर जगह हर लड़ाई जमीअत अपने खर्च पर लाद रही है, सरकारों से ज्यादा मकानात दंगा पीड़ितों को जमीयत ने अपने खर्च पर बनवाकर दिया। आज किसी भी शहर में कोई मामला हो जमीयत के जिम्मेदाराना बगैर शोर शराबे के खामोशी से मदद कर आते हैं और हमें आपको खबर भी नहीं होती। इन्हें न आपका वोट चाहिये न आपकी तारीफ! बिना किसी मफाद के ये हमारी लड़ाई लड़ते हैं। अल्लाह जमीयत और उसके जिम्मेदारान को सलामत रक्खे.! पूरे देश के मुसलमानों को आज इस तंजीम के जिम्मेदारान को सेल्यूट करना चाहिये। और दुआओं के साथ जमीयत को अपना मआशी तआउन भी करना चाहिये ताकि हमारी लड़ाई कभी कमजोर न पड़े।

बिहारः अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रचार मंत्री ने बताया कि कटक (उड़ीसा) में महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सफलता पूर्वक हुआ सम्पन्न

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। बिहार अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के बैठक में बहुत से महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई और प्रस्ताव पारित किए गए। सभा में यादव समाज के बच्चों को शिक्षित बनाने...संगठित बनाने... संघर्ष करने का संकल्प लिया गया। साथ ही अन्य कमजोर जातियों के साथ हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए आगे आ कर समाज के मुख्य धारा में लाते हुए सत्ता एवं संसाधनों में हिस्सेदारी दिलाने का प्रयास करें। सदियों से देश की रक्षा में यदुवंशी समाज के लोग अग्रगणी भूमिकाएं निभाई है। इसलिए भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट की स्थापना केलिए विभिन्न प्रान्तों में संघर्ष को तेज किया जाय। देश भर के यादव बंधुओं को अपने नाम के आगे सरनेम यादव लगाने का आह्वान किया। जातिगत जनगणना कराने केलिए ओबीसी, एससी एससी-एसटी, अल्पसंखयक वर्ग को साथ मिलकर संघर्ष को धारदार बनाया जाए। निजीकरण संस्थाओं में मंडल कमीशन लागू कराने के लिए एक धारदार आंदोलन चलाने पर जोड़ दिया गया। अगामी वर्ष में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा की स्थापना के 100 सौ वर्ष पुरा होने पर शताब्दी वर्ष वृहत रुप से मनाई जाए। साथ ही महासभा की सौ सालों के सफर में महत्वपूर्ण सफलताओ को संकलन करते हुए एक स्मारिका प्रकाशित करने पर विचार किया गया। इस अवसर पर, मा.कार्यकारी अध्यक्ष डा स्वपन कुमार घोष, मा.राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश यादव, सोम प्रकार यादव, बद्दुला बाबू राव,बलवंत सिंह, सुखराम सिंह, श्याम सिंह यादव, डॉ करण सिंह, डॉ बासुदेवाल्लु, बाबु राव यादव, नवाव सिंह, कमला यादव, राष्ट्रीय महासचिव आर लक्ष्मण यादव, जय प्रकार यादव, आनंद प्रकार सिंह, दिनेश यादव, पवन कुमार यादव, बिशन कुमार यादव , राष्ट्रीय सचिव प्रो राज यादव, मनोज यादव, अशोक यादव, दुर्गेश यादव, के पी यादव,

डी आर यादव, ए रामू कोनार, जगराम सिंह, योगेन्द्र सिंह मनडलोई, रमेश यादव, अखिलेन्दर यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला सभा पूर्णिमा कृष्णप्पा, युवासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप कुमार बेहेरा, बिहार प्रदेश अध्यक्ष सच्चिदा नंद सिंह यादव, बिहार प्रदेश प्रधान महासचिव के पी यादव सहित 20 प्रदेश के अध्यक्षो ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजन कर्ता उत्कल प्रदेश अध्यक्ष आदर्श बेहेरा एवं प्रदीप बेहरा महासभा के युव राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों में सुलोचन दास यादव (मेयर भुवनेश्वर ओडिशा), श्री अरूण यादव पूर्व केन्द्रीय मंत्री, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीश यादव,प्रदेश महासचिव सर्वनारायण यादव श्री विनोद कुमार यादवेन्दु , श्यामनंदन कुमार यादव, प्रदेश महासचिव ई.रामबालक यादव, प्रदेश मीडिया प्रभारी जवाहर निराला, राम सुदिष्ट यादव, प्रदेश प्रचार मंत्री राहुल मृत्युंजय यादव के साथ फिल्म अभिनेत्री दिव्या यादव, प्रो,रूबी यादव महिला अध्यक्ष, अंजनी रंजन यादव प्रदेश उपाध्यक्ष महिला सभा।

आखिरी असरे में ज्यादा से ज्यादा इबादत करें : डॉ. ओसामा अकील

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। मधुबनी जिले के प्रसिद्ध कवि और उपन्यासकार डॉ. ओसामा ने कहा कि आखिरी असरे में ज्यादा से ज्यादा इबादत करनी चाहिए। अल्लाह से माफी मांगनी चाहिए। रमजान बड़ी खुशियों और दुआओं का महीना है। हर मुसलमान का फर्ज है कि इस मुबारक महीने में ज्यादा से ज्यादा अच्छे काम करें और बुरे कामों से दूर रहें। हजरत आयशा से वर्णित है कि पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने कहाः रमजान के अंतिम दस दिनों की विषम रातों में लैलत अल-कद्र की तलाश करें। (बुखारी) 27,25,23, 21 इन अजीब रातों में से एक है शब-ए-कद्र। एक और कथन देखेंः हजरत आयशा से यह बताया गया है कि जब रमजान के आखिरी दस दिन शुरू होते थे तो वह भी जागते और कड़ी मेहनत करते थे और अपनी कमर कस लेते थे। (बुखारी और मुस्लिम) डॉ ओसामा अकील ने कहा कि पवित्र महीने की रातों में से एक को

लैलत-उल-कद्र कहा जाता है जो पवित्र पैगंबर (सल्लललाहू अलयहे वसल्लम) के उम्मत पर दिए गए विशेष आशीर्वाद और दया में से एक है। पवित्र कुरआन में इस रात को हजार महीने से बेहतर बताया गया है। क्या इस दया के लिए कोई जगह है? फिर भी इस महान पुण्य का लाभ उठाने की पूरी कोशिश करो और इस महीने को लापरवाही में मत बिताओ, यह उसका अपना दुर्भाग्य और अभाव है। साल भर वे सांसारिक लाभ की खोज में एक-दूसरे से आगे निकलने का प्रयास करते हैं। इस रात अल्लाह के साथ संबंध स्थापित होने के साथ ही अगर कोई व्यक्ति किसी न किसी स्तर पर पूरे साल भर के लिए दासता की आवश्यकताओं को पूरा करना जारी रखता है, तो यह एक महान आशीर्वाद होगा। यह प्रार्थना आखिरी अशरे की सभी रातों में बार-बार पढ़ी जानी चाहिए। हे अल्लाह, तू क्षमा करने वाला है, तू क्षमा करना पसंद करता है, इसलिए मुझे क्षमा कर देना।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गुणों से भरपूर है किवी, बालों के लिए बेहद फायदेमंद

किवी फ्रूट की खेती सबसे अधिक चाइना में की जाती है। चीन की चांग कियांग घाटी का मूल निवासी है, इसकी खेती 19 वीं शताब्दी से करते आ रहे हैं। इसे चीन के राष्ट्रीय फल के रूप में मान्यता प्राप्त है। चीन के लोग इस फल से एक टॉनिक तैयार करते हैं जिसके सेहत को बहुत सारे लाभ मिलते हैं। वहीं न्यूजीलैंड के लोगों ने इस रसदार और स्वादिष्ट फल की क्षमता को पहचाना। उन्होंने व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इसकी खेती शुरू की। न्यूजीलैंड के लोगों ने अपने राष्ट्रीय पक्षी के बाद 1959 में इसका नाम बदलकर कीवी रख दिया। तो चलिए जानते है यह रसदायक फल सेहत और ब्युटी के लिए किस तरह फायदेमंद है...

सेहत के लिए कीवी के फायदे

● पाचन तंत्र को बनाए बेहतर

किवीफ्रूट हमारे पाचन तंत्र में किसी भी तरह के असंतुलन को ठीक करके उसे पोषण प्रदान करता है और प्रीबायोटिक तत्व के रूप में काम करता है। कीवी में एक्टिनिडिन भी होता है, हमारे शरीर में जमा प्रोटीन को सही ढंग से काम करने में मदद करता है।

● वजन करे बैलेंस

वजन घटाने के लिए कीवी फल लाभकारी है। यदि आप अपने वजन के बारे में सचेत हैं, तो कीवी उस सोच का एक सही समाधान है।100 ग्राम कीवी में केवल 55 कैलोरी होती हैं इसमें घुलनशील फाइबर भी होता है जो परिपूर्णता को बढ़ावा देता है, जिससे आपकी भूख नैचुरल तरीके से कम हो जाती है। आपको बिना वक्त कुछ खाने का दिल नहीं करता।

● कैंसर से लड़ने में मददगार

कैंसर से बचने के लिए अपने दैनिक आहार में कीवीफ्रूट को शामिल जरुर करें।कीवी विटामिन सी से भरपूर होता है जो फ्री रेडिकल्स को नष्ट करके हमें लाभ पहुंचाता है ,यहां तक कि त्वचा कैंसर से भी हमें बचाता है। बस एक ही कीवी आपके दैनिक विटामिन सी की आवश्यकता के 77% को पूरा कर सकता है, जो बहुत कुछ है। वास्तव में, कीवी को संतरे और नींबू के संयुक्त की तुलना में अधिक विटामिन सी युक्त माना जाता है।

त्वचा के लिए कीवी के फायदे

➤ विटामिन-सी और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर

कीवी में विटामिन-सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। हम सभी जानते हैं कि विटामिन सी हमारी त्वचा के लिए कितना फायदेमंद है। उसके लिए हम महंगी क्रीम और सीरम खरीदते हैं जो इस आवश्यक विटामिन से समृद्ध होने का दावा करते हैं,लेकिन, ये उत्पाद रासायनिक-आधारित होते हैं और हमारी त्वचा को उतना फायदे नहीं पहुंचा पाते, असल में हम जितना चाहते होते हैं। कीवी न केवल एक स्वादिष्ट और पोषक तत्वों से भरपूर फल है, बल्कि आपकी स्किनकेयर रूटीन के लिए एक बेहतरीन प्राकृतिक घटक है। इसमें विटामिन सी और ई और एंटीऑक्सिडेंट जैसे कई त्वचा के अनुकूल पोषक तत्व होते हैं। ये आपकी त्वचा के स्वास्थ्य को बढ़ाने और कायाकल्प करने के लिए आवश्यक हैं। किवीफ्रूट में विटामिन ई भी उच्च मात्रा में पाया जाता है। यह त्वचा को कोमल और युवा बनाए रखने में मदद करता है।इसलिए गोरी और चमकदार त्वचा पाने के लिए डेली रुटीन में कीवी को अपने आहार को हिस्सा बनाएं।

➤ कीवी फेसपैक्स

आप कीवी को खाने के साथ-साथ, घर पर ही इससे तैयार फेसपैकस का इस्तेमाल कर सकते हैं। उसके लिए आपको...

1. 1 चम्मच कीवी पेस्ट,1 चम्मच नींबू का रस,1 चम्मच ओटमील और 2 बूंद कीवी बीज का तेल लेना है। अब इसका एक पेस्ट बनाकर चेहरे पर 10 से 15 मिनट के लिए लगाकर रखना है।

2. अगर आपकी आंखों के नीचे काले घेरे हैं तो उसके लिए आप कीवी के पतले स्लाइस काट कर आंखों पर 5 से 10 मिनट के लिए रोज रख कर, कुछ देर आराम करें। इससे आपके अंडर आईज डार्क सर्कलस कुछ ही दिनों में दूर हो जाएंगे।

बालों के लिए फायदेमंद कीवी

सुंदर, घने और खूबसूरत बाल हर औरत का सपना होता है। लेकिन आज के प्रदूषण भरे युग में इस सपने को पूरा करना एक सपने के जैसा ही प्रतीक होता है। लेकिन अगर आप कीवी को अपनी डेली डाइट में शामिल करते हैं तो इससे आपके बालों को बहुत फायदा होने वाला है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कीवी फल का सेवन करने से बालों को मिलने वाले फायदे।

➤ बालों का झड़ना

विटामिन सी और ई से भरपूर फल बालों के झड़ने से लड़ने और बालों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। कीवी दोनों आवश्यक विटामिनों से परिपूर्ण है। इस फल में मौजूद मैग्नीशियम, जस्ता और फास्फोरस जैसे खनिज रक्त परिसंचरण को उत्तेजित करते हैं, जिससे बालों के विकास में तेजी आती है। साथ ही बालों के झड़ने की समस्या से भी छुटकारा मिलता है।

➤ स्कैल्प के लिए फायदेमंद

किवीफ्रूट में उच्च मात्रा में विटामिन-सी होता है जो स्कैलप पर कोलेजन के गठन में योगदान देता है। इसके अतिरिक्त, कीवी का नियमित सेवन रक्त वाहिकाओं को मजबूत करता है। यह डैंड्रफ और स्कैल्प एक्जिमा जैसी सूखी स्कैलप की स्थितियों को ठीक करता है।

बालों को शाइनी और लंबा बनाएगा यह हेयर पैक, डैंड्रफ भी होगा दूर

पहले के समय में जहां 40-45 के बाद बाल झड़ना, सफेद होना जैसी समस्याएं देखने को मिलती थी। वहीं बढ़ते प्रदूषण, तनाव और गलत खान-पान के कारण आजकल असमय ही लोगों में हेयर प्रॉब्लम्स देखने को मिल रही हैं। हालांकि लोग इससे छुटकारा पाने के लिए कई प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन उससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। ऐसे में आज हम आपको केले से बना एक हेयर पैक बताएंगे, जिससे ना आपके बालों का झड़ना कम होगा बल्कि यह बालों को शाइनी और सिल्की भी बनाएंगे।

सामग्रीः

- **केला - 1**
- **पपीते की स्लाइस - 4-5**
- **शहद - 2 चम्मच**

पैक बनाने का तरीका

इस बनाने के लिए सबसे पहले केले, पपीता और शहद को अच्छी तरह मिक्स कर लें। फिर इसे बाललों और स्कैल्प पर अच्छी तरह लगाकर करीब 1-2 घंटे के लिए छोड़ दें। इसके बाद ताजे पानी से बालों को धो लें। हफ्ते में कम से कम 1 बार इस पैक का इस्तेमाल करें। इससे बालों को जड़ों से पोषण मिलेगा और वह मजबूत होंगे।

बालों के लिए केले के फायदे

➤ केले में पोटेशियम के साथ विटामिन और मैग्नीशियम भी होता है, जो बालों को जड़ों से पोषण देकर उन्हें मजबूत बनाता है।

➤ इसमें मौजूद फोलिक एसिड़ बालों को प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाता है। इसके लिए आप केले और जैतून के तेल को मिक्स करके हफ्ते में 1 बार लगाएं।

➤ इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट व अन्य जरूरी तत्व स्कैल्प से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। साथ ही इससे डैंड्रफ की समस्या भी कम होती है।

➤ केले में दही मिलाकर लगाने से भी बालों की चमक बरकरार रहती हैं। साथ ही इससे वो चमकदार और शाइनी व घने भी होते हैं।

थायराइड से बचना है तो खाएं कटहल, आंखों की रोशनी के साथ मिलेंगे कई फायदे

कटहल के फायदे

● थायराइड में फायदेमंद - जिन लोगों को थायराइड की समस्या हो उनके लिए कटहल किसी औषधी से कम नहीं है। इसमें पाएं जाने वाले पोषक तत्व थायराइड को कंट्रोल करते हैं।

● वजन पर करें कंट्रोल -तेजी से वजन घटाने के लिए कटहल के बीजों का सेवन करें। इसमें कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है और यह भूख को भी कंट्रोल करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

● एनीमिया की समस्या - कटहल के बीजों में आयरन की भरपूर मात्रा होती है। इनको खाने से हीमोग्लोबीन का स्तर बढ़ता है। अगर आपके शरीर में खून की कमी है तो कटहल के बीजों को खाना शुरू करें। इसके अलावा इसमें पाए जाने वाले कई खनिज हार्मोन्स को भी नियंत्रित करते हैं।

● कैंसर से बचाव - इसके बीजों में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। इसमें पाए जाने वाले गुण शरीर की कोशिकाओं को टूटने से बचाता है। इसके साथ ही यह कैंसर से भी बचाता है।

● आंखो की रोशनी बढ़ाए - आंखों की समस्याओं से परेशान हैं तो कटहल बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिन ए होता है आंखों की बीमारियां जैसे मोतियाबिंद, रात का अंधापन कम करने में भी मददगार है।

● हाई ब्लड प्रैशर - कटहल में पाया जाने वाला पोटेशियम हार्ट से जुड़ी बीमारियों से सुरक्षित रखता है। साथ ही हाई ब्लड प्रैशर के मरीजों के लिए यह बहुत ही फायदेमंद है।

● अस्थमा के लिए औषधी - अस्थमा पेशेंट के लिए यह किसी औषधी से कम नहीं है। कच्चे कटहल को पानी में उबालकर छानकर ठंडा होने पर पीएं। नियमित रूप से ऐसा करने से अस्थमा की समस्या दूर होती है।

● मजबूत हड्डियां - हड्डियों के लिए कटहल काफी गुणकारी माना जाता है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम हड्डियों को मजबूत बनाते है। साथ ही अगर कटहल के दूध को घुटनों, घाव, सूजन पर लगाया जाए तो काफी हद तक आराम मिलता है।

कटहल के ब्यूटी बेनिफिट्स

● ग्लोइंग स्किन - हफ्ते में 2-3 बार कटहल की सब्जी खाने से शरीर व त्वचा के विषैले पादर्थ बाहर निकलते हैं और पेट साफ रहता है। इससे चेहरे पर ग्लो आता है।

● रुखी त्वचा - गर्मियों में ड्राई स्किन की समस्या आम देखने को मिलती है। ऐसे में कटहल का रस निकालकर त्वचा पर मसाज करें और कुछ देर के लिए इसे यूं ही छोड़ दें। फिर पानी में गुलाबजल मिलाकर चेहरा साफ करें। इससे त्वचा में नमी बनी रहेगी और वो ड्राई नहीं होगी।

● मुहांसे और दाग-धब्बे - मुहांसे व दाग-धब्बों को दूर करने के लिए भी आप कटहल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए कटहल के बीजों को सूखा ले और फिर उसका पाऊडर बना लें। अब पाऊडर में एक बड़ा चम्मच शहद मिला लें। इस पेस्ट को चेहरे पर 10 मिनट तक लगाकर रखें।

● झुर्रियों से निजात - आधा कप ठंडे दूध में कटहल के बीजों को 1 घंटे तक भिगोएं और फिर इसका पेस्ट तैयार करें। इसे 10-15 मिनट चेहरे पर लगाने के बाद ठंडे पानी से साफ कर लें। रोजाना ऐसा करने से झुर्रियों की समस्या दूर हो जाएगी।

● ब्लैकहेड्स - कटहल की तीन फलियां ले और उसे बीज के साथ पीस लें। इसके पेस्ट से चेहरे पर ऊपर की ओर मसाज करें। चेहरा सूखने पर ठंडे पानी से धोएं। नियमित रूप से ऐसा करने पर ब्लैकहेड्स दूर होंगे।

● पाएं लंबे व घने बाल - अगर आप भी झड़ते बालों की समस्या से परेशान है तो कटहल का स्मूद पेस्ट बनाकर स्कैल्प पर लगाएं और 20-25 मिनट के लिए छोड़ दें। हफ्ते में से कम 2 बार इस पेस्ट का इस्तेमाल करें। आप चाहें तो इसे फ्रिज में स्टोर करके भी रख सकते हैं। इसके नियमित इस्तेमाल से बाल लंबे व घने होंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सालो बाद फिर से कृति और टाइगर आएंगे साथ नजर

हीरोपंती से बॉलीवुड में एक साथ कदम रखने वाले टाइगर श्रॉफ और कृति सेनोन एक बार फिर साथ में नजर आने वाले है। दोनों ने साल 2012 में डेब्यू किया था। उनकी पहली ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा बिजनेस कर गयी थी। इस फिल्म के बाद दोनों एक साथ नजर नहीं आये। हालाँकि दोनों के फैंस उन्हें एक साथ देखने के लिए बेकरार है। अब लगता है फैंस का इंतजार खतम हो गया है। कृति सेनोन और टाइगर श्रॉफ एक बार फिर साथ नजर आने वाले है। दोनों किसी फिल्म में तो नहीं लेकिन टाइगर की आने वाली फिल्म हीरोपंती 2 में पहली फिल्म के गाने 'विस्सल बजा 2' में एक साथ थिरकते नजर आने वाले है। आपको बता दे फिल्म हीरोपंती के 'विस्सल बजा' गाना सुपर डुपर हिट हुआ था। अब एक बार फिर दोनों साथ में नजर आने वाले है। फिल्म का गाना आज रिलीज हो गया है और लोगो में इसे लेकर काफी उत्सुकता नजर आ रही है। गाने के टीजर रिलीज होते ही लोगो ने अपनी प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया था। टाइगर की इस फिल्म उनके साथ कृति की जगह तारा सुतरिया नजर आने वाली है। आपको बता दे फिल्म हीरोपंती के बाद कृति और टाइगर रातोरात ही स्टार बन गए थे और उसके बाद उन्हें एक के बाद एक बड़ी फिल्मे ऑफर होती गयी। टाइगर श्रॉफ एक्टर जैकी श्रॉफ के बेटे है तो वही कृति बिलकुल ही नयी है बॉलीवुड इंडस्ट्री में। फिर भी दोनों ने अपने बलबूते पर बॉलीवुड में अलग ही पहचान पाई है।

शादी के बाद कैटरीना कैफ की होगी धमाकेदार वापसी

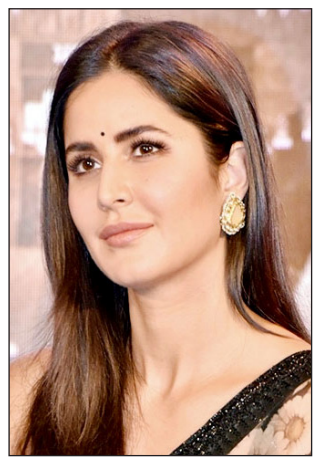

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल की शादी के बाद से ही उनके फैंस कटरीना को बड़े पर्दे पर देखने के लिए काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं।वही इन दिनों एक्ट्रेस फिल्म मैरी क्रिसमस की शूटिंग में बिजी हैं। और ऐसे में मूवी के सेट से सोशल मीडिया के गलियारों में धड़ल्ले से कैटरीना कैफ की सेट की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। दरसअल शादी के बाद फिर एक बार कैटरीना कैफ अपनी प्रोफेशनल लाइफ में बिजी हो चुकी हैं। और कटरीना की वायरल हो रही इन तस्वीरों में आप कैटरीना कैफ को पुलिस का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार के साथ देख सकते हैं। जहां इन तस्वीरों में कटरीना को पोल्का डॉट ड्रेस में देखा जा सकता है।वही काम पर लौटी कैटरीना कैफ की तस्वीरें दर्शकों को काफी पसंद आ रही हैं। वही कैटरीना कैफ फिल्म में पहली बार साउथ के सुपरस्टार कहे जाने वाले एक्टर विजय सेतुपति के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाती नजर आएंगी।वही अब ये कहना भी गलत नहीं होगा की विजय सेतुपति और कैटरीना कैफ की जोड़ी की धूम अभी से देखने को मिल रही है। और दोनों की जोड़ी को दर्शक भी भरपूर प्यार दे रहे हैं।

जर्सी देख कियारा आडवाणी ने की शाहिद कपूर की तारीफ

शाहिद कपूर और मृणाल ठाकुर की फिल्म जर्सी सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म पर ऑडियंस का जबरदस्त रिस्पांस देखने को मिल रहा है। वही फैंस के साथ- साथ बॉलीवुड सितारे भी शाहिद कपूर की इस फिल्म की तारीफों के पुल बांधने में लगे हुए है। ऐसे में कियारा आडवाणी ने को ये फिल्म इतनी पसंद आई कि इसे देखने के बाद वो शाहिद कपूर की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाई। जिसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक प्यार भरा नोट भी शेयर किया। कियारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, मेरे प्यारे शाहिद कपूर, आप बहुत खास हैं, आपको अर्जुन के रूप में देखना किसी जादू से कम नहीं है। आपने इसको इतना बेहतरीन कैसे बना दिया।'साथ ही उन्होंने फिल्म की पूरी टीम की प्रशंसा की और निर्देशक को इस खूबसूरत फिल्म के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं, शाहिद कपूर ने फिल्म कबीर सिंह की अपनी को-स्टार के मैसेज का जबाव देते हुए लिखा, 'मेरी प्यारी प्रीति आपके शब्द कबीर के दिल में हमेशा रहेंगे, तू मेरी बंदी है।' आपको बता दें, 'तू मेरी बंदी है' यह 'कबीर सिंह' का फेमस डायलॉग है।